नवभारत
भोपाल, गुरूवार, 4 जून 2026

जनवरी से अप्रैल तक जिले में मिले मलेरिया के 2 और डेंगू के 5 मरीज

नवभारत न्यूज

बैतूल, 3 जून. जिले में मलेरिया के दो मरीज मिले है, वहीं 5 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। यह मरीज विगत चार माह यानि जनवरी से अप्रैल के बीच हुई जांच में सामने आये है।

जिले भर में 90 हजार से अधिक जांचें

इससे लोगों को यह डर सता रहा है कि कहीं मलेरिया की फिर वापसी तो नहीं हो रही है। हालांकि मलेरिया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए हर गांव, शहर में आशा कार्यकर्ता, एएनएम और एमपीडब्ल्यू द्वारा लावों का डोर-टू-डोर सर्वे किया जाता है। इसके साथ ही जांच भी की है। अभी तक 90564 जांच हुई, जिसमें से दो मरीज मलेरिया और 5 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। हालांकि बीते कुछ सालों में जिले से मलेरिया का लगभग खात्मा हो चुका है। कुछ साल पहले जहां जिले में थोक बंद मलेरिया के मरीज मिलते थे और कई लोगों की इस बीमारी से मौत तक हो जाती थी, वहीं अब मलेरिया जैसी बीमारी के मरीज मिलना ही लगभग बंद हो गए हैं। बमुश्किल साल भर में एक-दो मरीज ही मिल पाते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी जितेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि विभाग द्वारा लगातार सर्वे किया जाता है। आशा व एएनएम भी घर-घर जाकर लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय बता रही हैं। गांवों में शिविर लगाए जाते है। स्कूलों और गांवों में लोगों को लार्वा न पनपे, इसके लिए क्या करें, इसकी जानकारी दी जाती है।

जिलेभर में 90 हजार से अधिक जांचे : मलेरिया और डेंगू

की रोकथाम के लिए मलेरिया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले भर के अलग-अलग ब्लाकों में 90564 जांच की गई। जिसमें से शाहपुर-घोड़ाडोंगरी ब्लाक में मलेरिया और आमला-घोड़ाडोंगरी ब्लाक सहित सेहरा क्षेत्र में डेंगू के मरीज मिले है। जिसके बाद विभाग द्वारा इन ब्लाकों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। घोडा ?ोंगरी में सबसे ज्यादा 17992 लोगों की जांच की गई। इसके अलावा आमला में डेंगू का मरीज मिलने पर आमला ब्लाक पर भी विशेष ध्यान देकर जांच की गई। यहां 10552 जांचे की गई। हालांकि आमला में मलेरिया का कोई भी मरीज नहीं मिला। केवल डेंगू के दो मरीज सामने आये थे। इसके साथ ही सेहरा में भी 14940 जांचे की गई।

सावधानी और जागरूकता ही बीमारियों से बचाव : डेंगू और मलेरिया से सुरक्षा और सावधानी ही इससे बचाव का एकमात्र तरीका है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मलेरिया का कारक मादा एनाफिलीज मच्छर एक व्यक्ति को काटने के बाद ही सुस्त हो जाता है। लेकिन डेंगू फैलाने वाला एडिज मच्छर एक बार में आठ से दस लोगों को काटता है। डेंगू वायरस जनित बीमारी होने के कारण इसका संक्रमण तेजी से फैलता है। इससे बचने के लिए सावधानी रखना और मच्छरों से बचाव ही एकमात्र तरीका है। डेंगू हो जाए तो इसकी जांच और इलाज सरकारी अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध है। आशा कार्यकर्ता, एएनएम और एमपीडब्ल्यू द्वारा लावों का डोर-टू-डोर सर्वे किया जाता है। मच्छरदानी का उपयोग लोग कर रहे है या नहीं, इसका सर्वे भी किया जाता है। पोखरों और तालाबों में गंबूशिया मछली भी डाली जाती है। इस साल अगस्त महीने में इन्हें डाला जाएगा।

> मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। जिलेभर में कुल 90564 जांचे हुई, जिसमें से मलेरिया के दो और डेंगू के 5 मरीज मिले है। जिन ब्लाकों में मलेरिया-डेंगू के मरीज मिले है, वहां विशेष ध्यान और अधिक जांचे कराई गई है।
> **- जितेन्द्र सिंह राजपूत,** जिला मलेरिया अधिकारी, बैतूल

शाहपुर-घोड़ाडोंगरी में मिले मलेरिया के मरीज

इस साल एक जनवरी से 30 अप्रैल तक ही 2 मरीज मलेरिया के मिल चुके है। इनमें से एक मरीज शाहपुर ब्लाक और दूसरा मरीज घोडाडोंगरी ब्लाक का है। यह मरीज भी बाहर से आये थे। इसके अलावा अभी तक डेंगू के भी 5 मरीज मिल चुके है। आमला और घोड़ाडोंगरी ब्लाक में जहां 2-2 मरीज मिले है, वहीं एक मरीज सेहरा क्षेत्र में मिला है। विभागीय कर्मचारियों का मानना है कि पिछले साल में 74412 सैम्पल ही लिए गए थे। इसके विपरीत इस साल जनवरी से अप्रैल माह तक ही 90564 लोगों की जांच हो चुकी है। अभी पूरा साल होने को 8 महीने का समय बाकी है। यदि इसी रफ्तार में जांचे होते रही तो अभी मलेरिया के आंकड़ों में और इजाफा हो सकता है। हालांकि मलेरिया पर नियंत्रण पाने के लिए कई कदम उठाये गये है। डोर-टू-डोर सर्वे और लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ पोखर एवं तालाबों में गंबूशिया मछली भी डाली जाती है।

अच्छी बात कि हर साल कम हो रहा डेंगू-मलेरिया

जिले में वैसे मलेरिया और डेंगू को लेकर स्थिति काफी नियंत्रित है। अभी जनवरी से अप्रैल तक जांच में 2 मलेरिया और 5 डेंगू के मरीज मिले है, जबकि विगत वर्ष यानि 2025 में मलेरिया के 6 और डेंगू के 9 मरीज मिले थे, जबकि 2024 में मलेरिया के मरीजों की संख्या 5 और डेंगू के मरीजों की संख्या 59 थी। वर्ष 2022 एवं 2023 में मलेरिया के 4 और वर्ष 2021 में मलेरिया के 6 मरीज सामने आये थे। यह आंकड़े बताते है कि जिले में मलेरिया और डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। मलेरिया विभाग के अनुसार डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए जिलेभर में जन-जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ लोगों को समझाईश दी जाती है कि बारिश में घरों के आसपास पानी जमा न होने दे। विभाग का कहना है कि डेंगू और मलेरिया से सुरक्षा और सावधानी ही इससे बचाव का एकमात्र तरीका है।

एक नजर में

मेंटनेंस आज, बंद रहेगी बिजली

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा एसएसटीडी योजना के अंतर्गत 33/11 केव्ही हमलापुर उपकेंद्र पर 4 जून को मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। मेंटेनेंस कार्य के चलते गुरुवार को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक हमलापुर उपकेंद्र के समस्त 11 केव्ही फीडर पर विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन- 1 के प्रबंधक ने बताया कि प्रस्तावित कार्य के चलते खंजनपुर क्षेत्र के दुर्गा वार्ड, कत्तलढाना, डिपो रोड, विकास नगर, गोयल फैक्ट्री, माचना नगर, अर्जुन वार्ड तथा कालापाठा के लोहिया वार्ड, चुन्नीढाना, राजेन्द्र वार्ड, सिविल लाईन, सजंय कॉलोनी, मुर्गी चौक, शिवाजी वार्ड, स्वीपर कॉलोनी जेएच कॉलेज रोड और गंज क्षेत्र के आबकारी, सिन्धी कालोनी, देना बैंक, लोहिया वार्ड, तेल टंकी, लक्की सेंटर, कांतिशिवा टाकीज, सेन्ट्रल बैंक, एसबीआई बैंक, मैकेनिक चौक, अग्रवाल पेट्रोल पम्प, बीजेपी कार्यालय, डॉ.मुले गुरूद्वारा रोड, हाथी नाला, डॉ. लश्करे, बीएसएनएल ऑफिस पुलिस क्वाटर हॉउसिंग बोर्ड गंज महाराष्ट्र बैंक, ग्रीन सीटी के विनोबा नगर, विवकानंद वार्ड, भग्गूढाना, खादी उद्योग के पास, ग्रीन सीटी, माचना नगर, हमलापुर चौक, फारेस्ट ट्रेनिंग सेन्टर, जजेस कॉलोनी आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

अभियान के तहत पशुओं को लगाया टीका

बैतूल। पशुपालन विभाग बैतूल के उप संचालक डॉ. सुरजीत सिंह और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम के डॉ. गुरुदत्त शर्मा ने 2 जून को टाइगर रिजर्व से लगे ग्रामीण क्षेत्र में टीकाकरण अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान टाइगर रिजर्व से लगे सभी 9 ग्रामों में जारी रहेगा, जिसमें अभियान के पहले दिन लगभग 95 गो तथा भैस वंशीय पशुओं का टीकाकरण और 16 कुत्तों को कैनाइन डिस्टेंपर टीकाकरण किया गया। सभी पशुओं को एफएमडी, एक टांगिया रोग और गलघोटू रोग का टीका लगाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य है कि जंगली पशुओं से पालतू पशुओं तथा पालतू पशुओं से जंगली पशुओं में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों को रोका जा सके।

रोहित आत्महत्या कांड का दूसरा आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश

सारनी। शहर के बहुचर्चित विद्युत कर्मी रोहित विश्वकर्मा आत्महत्या कांड के दूसरे आरोपी को पुलिस ने सिरोंज से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुछ दिनों पहले ही ललित मालवीय को भोपाल से गिरफ्तार किया था। इस मामले अभी सात आरोपी फरार है। टीआई जयपाल इवनाती ने बताया कि पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एवं एसडीओपी सारणी प्रियंका करचाम के मार्गदर्शन में थाना सारणी पुलिस ने रोहित विश्वकर्मा आत्महत्या कांड मे लिप्त दूसरे आरोपी दीपक कुशवाह को सिरोंज

से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि 04 मई 2026 को अप्राकृतिक मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस थाना सारणी द्वारा सुपर डी-358 सारणी पहुँचकर जांच की गई, जहाँ मृतक रोहित पिता महेशप्रसाद विश्वकर्मा (36) निवासी सुपर डी-358 सारणी की मृत्यु होना पाई गई। उक्त मामले में धारा 194 बीएनएसएस के तहत पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण करने पर दो सुसाइड नोट, तीन पत्र एवं एक डायरी प्राप्त हुई, जिन्हें विधिवत जप्त किया गया। मर्ग जांच के दौरान साक्षी नीरज विश्वकर्मा, किरण विश्वकर्मा एवं नीतू के कथनों तथा मृतक रोहित विश्वकर्मा द्वारा लिखे गए सुसाइड नोट एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर से सोनू कश्मीरा, अमर सिंह राणा, आरिफ खान, ललित मालवीय, आदर्श,श्रीवास्तव, दीपक कुशवाह (विदिशा), राजेश अग्रवाल, ऋषभ एवं मयूब पाल (मयूर) द्वारा पैसों के लेन-देन को लेकर मृतक को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। साथ ही झूठे प्रकरण में फंसाने एवं जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। सूदखोरो के प्रताड़ना से परेशान होकर रोहित विश्वकर्मा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करना पाया गया। जांच उपरांत आरोपीगण सोनू कश्मीरा, अमर सिंह राणा, आरिफ खान, ललित, आदर्श, दीपक, राजेश, ऋषभ एवं मयूब पाल (मयूर) के विरुद्ध धारा 108, 308(5), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

समिति सदस्यों और किसानों ने सौंपा ज्ञापन

चोपना। किसानों को खाद प्रदाय एवं किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सेवा सहकारी समिति सदस्यों, किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि किसानों को प्रति हेक्टेयर आवश्यकता से कम खाद दी जा रही है। कई किसानों की तकनीकी कारणों से अभी तक फार्मर आईडी नहीं बन पाई है। जिसके कारण उनके टोकन जनरेट नहीं हो रहे है। प्राइवेट विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिम दाम में खाद बेच रहे है। पुनर्वासित परिवार, जिनको पुनर्वास विभाग द्वारा पट्टा प्रदान नहीं किया गया है। ऐसे परिवारों की संख्या 600 से अधिक है। उन्हें

भूमि आवंटन प्रमाणपत्र दिया गया है, उनकी भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज नहीं है, इसलिए सभी का खाद के लिए टोकन जनरेट नहीं हो रहे है। शासन के वर्तमान उर्वरक नीति नियमों के कारण किसानों को परेशानी हो रही है। ज्ञापन में मांग की गई कि वर्तमान खाद वितरण नियम प्रणाली को निरस्त किया जाये। वर्ष 2025-26 खाद वितरण नियम व प्रक्रिया को पुन: लागू किया जाये। किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद प्रदान की जाये एवं किसान क्रेडिट कार्डधारक किसानों की खाद एवं ऋण की लिमिट बढाई जाये।

गौवंशों से भरा ट्रक पकड़ाया 34 गौवंश एवं वाहन जप्त

मुलताई। थाना क्षेत्र से गौवंश भरकर जा रहे एक ट्रक को मुलताई पुलिस द्वारा दाबका नाके से पकड़कर 34 गौवंश को तस्करो के कब्जे से मुक्त कराकर ट्रक जप्त किया है। टीआई नरेन्द्र सिंह परिहार ने बताया बीते कल 2 जून 2026 को थाना मुलताई पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक कत्थई रंग का आयसर ट्रक, जिस पर हरे रंग का तिरपाल ढका हुआ है तथा जिसमें बड़ी संख्या में गौवंश भरे हुए हैं, दाबका-पांढरघाटी मार्ग से महाराष्ट्र की ओर जा रहा है।सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा दाबका फॉरेस्ट नाका पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय पश्चात मुखबिर द्वारा बताए गए वाहन क्रमांक एमपी 09 जीजी 9363 को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका तथा फॉरेस्ट नाके का बैरियर तोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए घेराबंदी कर वाहन को कुछ दूरी पर रोक लिया गया। इस दौरान चालक मौके का लाभ उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें दो पार्टिशन में कुल 34 गौवंश अत्यंत क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर भरे हुए पाए गए। गौवंशों के मुंह एवं पैर बंधे हुए थे तथा वे हिल-डुल भी नहीं पा रहे थे।

ट्रक एवं कंटेनर में आमने-सामने की भिड़ंत

मुलताई। नेशनल हाईवे नागपुर रोड पर ग्राम चिचंडा के पास करीब 7 बजे एक आयशर ट्रक और कंटेनर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में कंटेनर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है ग्राम चिचंडा के समीप बुधवार की सुबह हाईवे पर दोनों वाहन तेज गति से अपने-अपने मार्ग से रहे थे। ग्राम चिचंडा के पास किसी अज्ञात कारण से दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे दोनों वाहन सामने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।दुर्घटना में कंटेनर चालक की मौत हो गई।बताया जाता है कंटेनर

नागपुर की ओर से आ रहा था।कंटेनर चालक की पहचान राजस्थान निवासी मुस्तफा असर (40) के नाम से हुई है। वह वाहन में बुरी तरह फंस गया था और गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नागपुर की ओर जा रहे आयशर ट्रक चालक सोनू पिता चुन्नू, निवासी अहमदाबाद और मोहम्मद शाह (20) निवासी हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही एंबुलेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल एंबुलेंस से नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया।डॉक्टर ने मुस्तफा को मृत घोषित कर दिया। गभीर रूप से घायल सोनू और मोहम्मद शाह का इलाज किया गया ल। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात प्रारम्भ करवाया। पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है,पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

पशु संगोष्ठी में पशुपालकों को मिली योजनाओं की जानकारी

बैतूल। पशुपालन विभाग द्वारा क्षीरधारा ग्राम बाका खोदर विकासखंड शाहपुर में पशु संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें शासकीय सुविधाओं से जोड़ना तथा आधुनिक पशुपालन को बढ़ावा देना था। संगोष्ठी में उप संचालक पशुपालन डॉ. सुरजीत सिंह, कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के अधिकारियों ने पशुपालकों के साथ संवाद कर उन्नत पशुपालन, चारा प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य एवं आयवर्धन संबंधी विषयों पर जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान पात्र पशुपालकों का विभिन्न योजनाओं हेतु चयन भी किया गया। इनमें 40 पशुपालकों का पशु किसान क्रेडिट कार्ड, 15 पशुपालकों का पशु शेड निर्माण, 03 पशुपालकों का नाडेप कम्पोस्ट टैंक निर्माण तथा 03 पशुपालकों का चारा विकास प्रदर्शन योजना के लिए चयन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं से पशुपालकों को पशुओं के बेहतर रख-रखाव, जैविक खाद उत्पादन, उन्नत चारा विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर निकली रैली

पाथाखेड़ा। वेकोलि पाथाखेड़ा क्षेत्र में पर्यावरण सप्ताह-2026 के अंतर्गत सोमवार को पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय से निकाली गई पर्यावरण जागरूकता रैली का नेतृत्व महाप्रबंधक (संचालन) आरके प्रसाद ने किया। रैली में अधिकारियों एवं महिला कर्मचारियों ने हिस्सा लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड छिंदवाड़ा के क्षेत्रीय अधिकारी एम.पी. तिवारी एवं वैज्ञानिक

संजय राजपूत उपस्थित रहे। तिवारी ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक प्रदूषण रोकने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी से प्रकृति संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया। एरिया अस्पताल परिसर में पौधरोपण कर हरित भविष्य का संकल्प लिया गया तथा प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। वहीं अंबेडकर भवन में हमारी धरती, हमारी जिम्मेदारी विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी रचनात्मक सोच प्रस्तुत की।

डॉक्टर पर लापरवाही से इलाज करने से युवक की मौत का आरोप

मुलताई। नगर में संचालित निजी अनमोल अस्पताल के संचालक डॉ. प्रवीण शुक्ला द्वारा एक युवक के उपचार में लापरवाही बरतने से युवक की मौत होने के आरोप लगाते हुए उनकी डिग्री एवं अस्पताल की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर नगर के समाज सेवियों तथा साई सेवा समिति ने बुधवार को कलेक्टर को संबोधित ज्ञापन एसडीएम राजीव कहार को सौपा है। समाज सेवी वर्षा गढेकर, सुमित शिवहरे,साई सेवा समिति के चिंटू खन्ना,निखिल जैन, सौरभ शर्मा, संदीप कामडी, झब्बू ठाकुर, मिलिंद खातरकर सहित सैकडो युवाओं द्वारा सौपे गए ज्ञापन में

आरोप लगाए की डॉ प्रवीण शुक्ला द्वारा मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं एवं उपचार संबंधी दस्तावेजों में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग द्वारा निर्धारित मानकों एवं प्रारूपों का पालन नहीं किया जाता है, मरीजों को दिए जाने वाले प चिकित्सक के स्पष्ट हस्ताक्षर, पंजीयन क्रमांक अथवा आवश्यक विवरण अंकित नहीं होते है. डॉ शुक्ला के भाई द्वारा स्वयं खुलासा करते हुए उनकी डिग्री को फर्जी बताया गया है।उनके अस्पताल परिसर में स्थित मेडिकल स्टोर से मरीजों की निम्न गुणवत्ता की दवाएँ उपलब्ध कराए जाने के आरोप लगाए है। हाल ही में नगर के युवा अमरदीप सिंह, सन्नी का उपचार उक्त अस्पताल में किया गया था. जिसके पश्चात उनकी मृत्यु हो गई। इससे पूर्व लगभग एक वर्ष पहले नगर के युवा मोहित पाल की मृत्यु के मामले में भी उपचार संबंधी गंभीर प्रश्न उड़ाए गए थे।जिससे नगरवासियो में आक्रोश व्याप्त है।अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में योग्य प्रमाणित टेक्नीशियन की उपलब्धता नही होने के आरोप लगाए है। ज्ञापन में जनहित एवं मरीजों के जीवन की सुरक्षा को दृष्टिगत, डिग्री एवं अस्पताल की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

बैठक | पौधरोपण स्थलों पर फेंसिंग और रख-रखाव किए जाने के दिए निर्देश

पौधरोपण के साथ पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित करें : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान, जनकल्याणकारी शिविर, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन तथा सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 5 जून को जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम

आयोजित किए जाए। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका को स्पाट का चयन किए जाने के निर्देश दिए, जहां बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में डेवलप किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने वन विभाग, जन अभियान परिषद को स्थान चयन कर वृहद स्तर पर पौधरोपण की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने जन अभियान परिषद को भी निर्देशित किया कि दो पहाड़ियों का चयन किया जाए, जहां पौधरोपण कर उन्हें वृक्षों से आच्छादित किया जा सके। उन्होंने पौधरोपण के संबंध में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधों के रखरखाव का विशेष ध्यान रखे। इसके अलावा उन्होंने पौधरोपण किए गए स्थानों पर अनिवार्य रूप से फेंसिंग कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई अभियान की समीक्षा के दौरान माचना नदी पर विशेष साफ-सफाई अभियान आयोजित किए जाने और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद स्तर पर साफ सफाई और परियोजना नगर पालिका अधिकारी को शहरी क्षेत्र में साफ सफाई अभियान सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालय में पानी और साफ सफाई सुनिश्चित कर उन्हें क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पौधरोपण के लिए स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को वृहद स्तर पर पौधरोपण करने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर पौधरोपण के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कार्यालय में विशेष साफ सफाई अभियान चलाकर अभिलेखों का व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन कर पीएम स्वनिधि, आयुष्मान, पीएम सूर्य घर बिजली योजना, सहित अन्य योजनाओं में सेचुरेशन लाने के निर्देश दिए। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जनकल्याणकारी शिविर के आयोजन के लिए एसडीएम एवं सहायक नोडल के रूप में जनपद सीईओ, नपा सीएमओ रहेगे।

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है : डॉ. सीते

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं श्रीराम सेना प्रभात पट्टन के तत्वाधान में सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभात पट्टन में रक्तदान रक्त परीक्षण एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस समारोह में अतिथि के रूप में जिला ब्लड बैंक अधिकारी डॉ अंकिता सीते, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलादसाहू, युवा साहू समाज सेवा संगठन अध्यक्ष गोपाल साहू, श्री राम सेना अध्यक्ष गुलशन बंजारे, शिविर प्रभारी मयूर बंजारे, डा भोजराज साहू, अश्विन बरई, कमलेश पांडे ने माता कर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मालार्पणकर रक्तदान शिविर का शुभारंभकिया। इस अवसर पर डॉ अंकिता सीते ने कहा कि रक्त की कोई कीमत नहीं होती रक्तदान

मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान से शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है और इससे दिल के दौरे का खतरा कम होता है अत: नियमित रक्तदान करना चाहिए रक्तदान से शरीर को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू ने कहा कि रक्तदान शिविर के माध्यम से साहू समाज के युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि समाज के लोगों को जरूरत पड़ने पर रक्त मिल सके। श्रीराम सेना के अध्यक्ष गुलशन बंजारे ने कहा कि जिला अस्पताल के गंभीर बीमारियों से पीड़ति मरीजों को रक्त मिल सके इसलिए यह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी मयूर बंजारे ने कहा कि आज भी रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान करना जरूरी है आज भी परिवार के लोग ही जरूरत पड़ने पर अपने परिजन को रक्त देने से कतराते हैं।